

मशीनों का ग्रह

सुपर बुद्धिमत्ता (superintelligence) क्या है?

- यह पूर्वानुमान क कृत्रिम रूप से बुद्धिमत्ता मशीनें उस कार्य को बखूबी कर सकती हैं जसै मानव कर सकता है, सैद्धांतिक रूप से नरिथक प्रतीत होता है।
- दशकों पुराने इस वचिार ने सोशल मीडिया पर टेस्ला के सीईओ एलन मस्क और फेसबुक के प्रमुख मार्क जुकरबर्ग के मध्य एक बहस छेड़ दी है। मार्क जुकरबर्ग का कहना है क कृत्रिम बुद्धिमत्ता में होने वाली त्वरति प्रगति एक अच्छा कदम है क्योंकि इससे कार दुर्घटनाओं में होने वाली मौतों में कमी आने के साथ-साथ कुछ वशिष प्रकार के रोगों की समाप्ति में भी वशिष सहायता प्राप्ति होगी।
- दूसरी ओर मस्क का वचिार है क यिदि इसे वनियमिती नहीं कयिा गया तो कृत्रिम बुद्धिमत्ता से पृथ्वी पर मशीनों के युग की शुरुआत हो जाएगी।

क्या कल्पति वजिज्ञान से अलग इस प्रकार के वविाद का कोई अन्य इतिहास भी है?

- ऑक्सफ़ोर्ड वशिषवदियालय के दारशनिक नकि बोस्ट्रोम ने आधे से अधिक दशक यह बताने में ही लगा दयिा क मनुष्यों के पास श्रेष्ठता प्राप्ति करने अथवा वल्लिप्त हो जाने में से कसिी एक को चुनने का वकिलप मौजूद है।
- इस सम्बन्ध में श्रेष्ठता में मृत्यु तथा उन लोगों पर वजिय पाना शामिल है जो अपने मानसकि जीवन के बड़े हसिसे को कृत्रिम मसतषिकों में बदल रहे हैं।

कौन सही है?

- इस प्रश्न का उत्तर इन दोनों के वचिारों के कालक्रम पर नरिभर करता है। वर्तमान में कृत्रिम बुद्धिमत्ता से होने वाले खतरे का अर्थ सीधे तौर पर भवषिय में रोजगारों की सम्भावना को समाप्ति कर देना है क्योंकि इस प्रकार के अनुसन्धान की सफलता के पश्चात् बहुत से स्थानों पर मनुष्यों का स्थान स्वयं मशीनें ले लेंगी।
- हालाँकि जैसा की कृत्रिम बुद्धिमत्ता के आशावादी तर्क देते हैं नए रोजगारों का सृजन करने से पुराने रोजगार नरिथक हो जाएंगे ऐसा कुछ भी नहीं है। यह वास्तवकि रूप में मशीनों के युग का उद्भव नहीं है।
- हालाँकि, मस्क का यह तर्क है क परम्परागत रूप से कसिी आपदा अथवा घटना के घटति हो जाने के फलस्वरूप ही नयिमक बनाए जाते हैं। अतः इस बार ऐसी कसिी गलती को दोहराने की बजाय इस संबंध में गंभीरता से वचिार कयिा जाना चाहिये।
- कृत्रिम बुद्धिमत्ता के मामले में, उदासीन नेटवर्कों में त्वरति सुधार का तात्पर्य यह भी हो सकता है क एक मशीन (जसिमें मनुष्यों को बौना करने की मानसकि क्षमता वदियमान हो) को वशिष में उसी रूप में मान्यता प्रदान की जानी चाहिये जसि रूप में अभी तक दी जाती रही है।

कृत्रिम बुद्धिमत्ता में शोधों को कसि प्रकार वनियमिती कयिा जा सकता है?

- इस संबंध में कोई प्रमाण उपलब्ध नहीं है क वनियमिन कैसे और कसि आधार पर कयिा जाना चाहिए।
- कृत्रिम उदासीन नेटवर्क के गुरुओं में से एक जओफ्रे हटिन के अनुसार, कृत्रिम बुद्धिमत्ता में सुधार की तरफ बढ़ते हुए प्रत्येक कदम को एक चुनौतीपूर्ण समस्या के रूप में देखा जाना चाहिये। साथ ही वकिस के साथ-साथ इस समस्या के समाधान के वषिय में भी वचिार कयिा जाना आवश्यक है।
- यदि इस संबंध में पूर्व के अनुभवों पर गौर करें तो हम पाएंगे क इससे पहले भी वैज्ञानिक अनुसन्धानों के कार्य पर प्रतबिंध लगाये गए हैं। उदाहरण के तौर पर, पूर्व में स्टैम कोशकि की खोज पर मात्र इसलिये प्रतबिंध लगा दयिा गया था क्योंकि इससे नवजात जीवन को नुकसान पहुँचता है।
- हालाँकि, अर्द्धचालकों को जोड़ने का प्रयास करने वाले कंप्यूटर वैज्ञानिकों पर इस प्रकार का प्रतबिन्ध अधरौपति करना इतना आसान काम नहीं है। क्योंकि यह एक ऐसा क्षेत्र है जसिसे भवषिय में वकिस के बहुत से क्षेत्र संबद्ध हैं।